निकाय सभेत संमत झालेल्या अहवालावरील अध्यक्षांच्या सहीसाठीची प्रत.   महत्वाची प्रत.

" ज्ञानस्य निर्मलं नेत्रं ज्योतिष्यकमनुत्तमम् "

# ज्योतिर्विद्या परिसंस्था, पुणें

स्थापना १९४४

ज्योतिर्विद्या परिसंस्था पुणे

JYOTIRVIDYA PARISANSTHA POONA2

सन १९६९-७०   वर्ष २६ वें

## वार्षिक-वृत्तान्त व समाव्यय

( पढील वर्षाच्या निकल्पासह )

[ वार्षिक निकाय सभेचें निमंत्रण-मलपृष्ठ २ पाहावें ]

प्रकाशक

मो. ना. गोखले, B. Sc.

स. चिं. मराठे, B. E.

कार्यवाह

# वार्षिक निकाय सभेचें निमंत्रण

चालू २७ व्या वर्षाची **निकायसभा** (General Body Meeting) रविवार दिनांक ७ फेब्रुवारी १९७१ या दिवशीं सायंकाळीं ५. वाजतां महाराष्ट्र राज्य शिक्षणशास्त्र संस्था, रा ब. कुमठेकर रस्ता, सदाशिव पेठ, (जुनें ट्रेनिंग कॉलेज) येथें भरेल. त्यावेळीं पुढील क्रमणिकेंत दिलेलें कामकाज होईल.

## क्रमणिका

(१) दिवंगत सभासदांविषयी दुखवटा.
(२) गतवर्षाच्या (१९६९–७०) निकायसभेच्या इतिवृत्तास मान्यता.
(३) पूर्वप्रसिद्ध वृत्तांताच्या अनुरोधानें गतवर्षांतील कार्याचें निवेदन.
(४) गतवर्षाच्या समाव्ययास मान्यता.
(५) नवीन वर्षाकरितां (१९७०–७१) पदाधिकाऱ्यांची निवड.
(६) १९७०–७१ मध्यें संस्थेनें हातीं घ्यावयाचीं कामें.
(७) १९७०–७१ च्या निकल्पावर चर्चा.
(८) आयत्या वेळचे विषय (अध्यक्षांच्या अनुमतीनें)
(९) प्राध्यक्षांचें भाषण.
(१०) आभार.

आपले,

**मो. ना. गोखले.**
**स. चिं. मराठे.**
कार्यवाह.

पुणें १७–१–१९७१

**टीप** :—सभासदांना कांहीं प्रश्न विचारावयाचे असतील अगर सूचना करावयाच्या असतील तर त्यांनीं सभेपूर्वी निदान ३ दिवस अगोदर कार्यवाह यांच्याकडे तसें लेखी कळवावें.

सभेस अगत्यपूर्वक उपस्थित राहावें.

# ज्योतिर्विद्या परिसंस्था, पुणें

ज्ञानस्य निर्मलं नेत्रं ज्योतिष्यकमनुत्तमम् ।

**(स्थापना : गणेशचतुर्थी, शके १८६६, ता. २२–८–१९४४)**

## सन १९६९–७० चा (२६ व्या वर्षाचा) वृत्तान्त

**प्रिय सदःस्थ व संस्थेचे हितचिंतक,**

ता. ३० जून १९७० ला संपणाऱ्या, संस्थेच्या २६ व्या वर्षाचा हा वार्षिक वृत्तान्त व समाव्यय आवश्यक त्या पत्रकांसह आपणांपुढें सादर करण्यास आम्हांस आनंद होत आहे. सतत प्रगतिपथावर असणाऱ्या आपल्या संस्थेनें आतां २७ व्या वर्षांत पदार्पण केलें आहे.

### वृत्तान्त-वर्षांतील पदाधिकारी

गतवर्षारंभींच्या निकायसभेनें [ General body नें ] १९६९–७० साठीं **प्रशासक मंडळावर व तद्विद्य मंडळावर** पुढील सन्मान्य सदःस्थांची निवड केली होती.

**प्रशासक मंडळ** [ Goverining Council ]

**प्राध्यक्ष :** प्रा. डी. डी. कापडिआ, एम्. ए., बी. एस्सी.,
आय. ई. एस. (सेवानिवृत्त)

**अध्यक्ष :** प्रि. गो. रा. परांजपे, एम्. एस्सी.,
एफ. एन्. आय., ओ. बी. ई.
(सेवानिवृत्त)

**उपाध्यक्ष :** प्रा. डॉ. मो. वा. चिपळूणकर,
एम्. एस्सी., डी. एस्सी.,
वास्तव विभाग प्रमुख, पुणें विद्यापीठ.

G. D. Apte & Co.
Chartered Accountants

With the Assistant Charity Commissioner, Poona
In the matter of Act XXIX of 1950
and
In the matter of

## JYOTIRVIDYA PARISANSTHA, POONA

Public Trust
Public Trust No. F–44
Audit for the year ending 30th June 1970

We, the undersigned Auditors, hereby report that :

(a) The accounts are maintained regularly and in accordance with the provisions of the Act and the rules;
(b) The receipts and disbursements are properly and correctly shown in the accounts:
(c) The vouchers in the custody of the manager or trustee on the date of audit were in agreement with the accounts;
(d) The books, deeds, accounts, vouchers or other documents or record required by us were produced before us;
(e) Inventory certified by the trustee of the moveables of the public trust has not / has been maintained;
(f) The manager or trustee appeared before us and furnished the necessary information required by us;
(g) The property or funds of the trust were not applied for any object or purpose other than the object or purpose of the trust;
(h) The amounts of outstandings for more than one year are **Rs. NIL** and the amounts written off are **Rs. NIL.**
(i) Tenders were/were not invited for repairs or construction involving expenditure exceeding Rs. 5000–00. **Not applicable.**
(j) Any money of the public trust has not been invested contrary to the provisions of Sec. 35;
(k) Alinations of the immovable property contrary to the provisions of Sec. 36 have not come to our notice.

United Western Bank Building
Laxmi Road, Poona 2
13 th Nov. 1970

Sd/– G. D. APTE & CO.
Chartered Accountants



G. D. Apte & Co.
Chartered Accountants

**Schedule IX C** ( vide rule 32 )
Poona 2, 13th Nov. 1970.

**Statement of income liable to contribution for the year ending 30th June 1970**

Name and registered No. of Public Trust

## Jyotirvidya Parisanstha, Poona. F–44

| | Rs. Ps. |
|---|---|
| Gross annual income | 1,298.47 |
| Details of income not chargeable to oontribution under Section 58 and Rule 32 : | The institution is a Public Trust exclusively for advancement and Propagation of secular education and hence its income is not liable to contribution as per Rule 31 ( 1 ) (a) of the Bombay Public Trusts Rules. |
| Deduction on account of repairs in respect of buildings not rented and yielding no income at $8\frac{1}{3}$ per cent of the estimated gross annual rent | |
| Income liable to contribution Rs. | **NIL** |

Dated at Poona 13th Nov. 1970

Trustees–
Sd. M. N. Gokhale
( Secretary )
Sd. S. V. Apte,
( Treasurer )

Sd. G. D. Apte & Co.
Chartered Accountants

[illegible] मान्य करावा : श्री ह. अ. [illegible]
अनुमोदक : श्री. रा. ग. [illegible]

[illegible]
[illegible]
अध्यक्ष

G. D. APTE & Co, Chartered Accountants
Phone : 57872
United Western Bank Bldg.
Laxmi Road, Poona–2

Schedule IX
vide Rule 17 (1)
Registered No. F–44
Dated : 13th Nov. 1970

Name of the Public Trust : JYOTIRVIDYA PARISANSTHA, POONA

Income and Expenditure Account for the year ending 30th June 1970

| EXPENDITURE | | Rs. Ps. | INCOME | | Rs. Ps. |
|---|---|---|---|---|---|
| **To Establishment Expenses** | | | **By Interest on Bank A/c** | | 230.22 |
| Salary | 287.83 | | ,, **Donations :** | | |
| Rent | 305.00 | | Jubilee Fund | 22.00 | |
| Stationery | 15.89 | | Petty Donations | 13.00 | 35.00 |
| Contingencies | 298.40 | | ,, **Grants-in-aid :** | | |
| Postage | 31.50 | 938.62 | Municipal Corp | 300.00 | |
| **To Expenditure on Object** | | | Govt. of | | |
| Study Circle, Lectures etc. | | 145.60 | Maharashtra | 142.00 | 442.00 |
| **To Depreciation** | | | ,, **Sale of Books** | | |
| Library Books | 137.00 | | Selling price | 85.00 | |
| Furniture & Deadstock | 46.00 | | Less Cost | – 28.75 | 56.25 |
| Equipment | 148.00 | 331.00 | ,, **Subscription Ordinary & School** | | 334.00 |
| **To Research Fund** | | 500.00 | ,, Life membership Subscriptions | | 201.00 |
| ,, Building & Equipment Fund | | 13.00 | ,, Deficit Carried over to Balance Sheet | | 852.75 |
| ,, Jubilee Fund | | 22.00 | | | |
| ,, Life Member's Subscription Fund | | 201.00 | | | |
| Total Rs. | | 2,151.22 | Total Rs. | | 2,151.22 |

Dated at Poona : 13th Nov, 1970
Trustees : Sd/– M. N. Gokhale
( Secretary )
Sd/– S. V. Apte
( Treasurer )

As per our report of even date,
Sd/– G. D. Apte & Co.,
Chartereed Accountants,
Auditors



G. D. APTE & Co.
Chartered Accountants

Schedule VIII
vide Rule 17 (1) : Date 13th Nov. 1970

Name of the Public Trust ; JYOTIRVIDYA PARISANSTHA, POONA

Balance Sheet as at 30 June 1970

| FUNDS & LIABILITIES | | Rs. Ps. | ASSETS | | Rs. Ps. |
|---|---|---|---|---|---|
| **Trust Fund or Corpus** | | 1,983.25 | **Library Books** | | |
| **Research Reserve Fund :** | | | As per last B/s | 1,377.22 | |
| As per last B/S | 3,000.00 | | Less Depreciation 10% | 137.00 | 1,240.22 |
| Provision during the year | 500.00 | 3,500 | **Furniture & Dead Stock** | | |
| **Life Membership Subscription Fund :** | | | As per last B/s | 460.42 | |
| As per last B/s | 300.00 | | Less Depreciation 10% | 46.00 | 414.42 |
| Additions during the year | 201.00 | 501.00 | **Equipment** | | |
| **Building & Equipment Fund :** | | | As per last B/s | 1,433.70 | |
| As per last B/s | 3,173.00 | | Additions during the year | 54.00 | |
| Additions during the year | 13.00 | 3,186.00 | | 1,487.70 | |
| **Jubilee Fund :** | | | Less Depreciation | 148.00 | 1,339.70 |
| As per last B/s | 200.00 | | Stock of Publications | | 2,298.92 |
| Additions during the year | 22.00 | 222.00 | Cash & Bank Balance : | | |
| **Rent** | | 25.00 | Cosmos Co-op. Urban Bk Ltd in S/B A/C | | 6,016.34 |
| Income & Expenditure A/c | | | With Secretary | | 146.12 |
| As per last B/s | 2,891.22 | | | | |
| Less deficit as per I/E A/c | – 852.75 | 2,038.47 | | | |
| Total Rs. | | 11,455.72 | Total Rs. | | 11,455.72 |

The above Balance Sheet to the best of my/our belief contains a true account of the Funds, Liabilities and of the Property and Assets of the Trust.

Dated at Poona 13th Nov. 1970
Trustees : Sd/–M. N. Gokhale ( Secy. )
Sd/–S. V. Apte ( Treasurer )

As per our report of even date.
Sd/–G. D. Apte & Co.,
Chartered Acctts, Auditors

## ज्योतिर्विद्या परिसंस्थेचा १९७०–७१ चा निकल्प

| आय | | व्यय | |
|---|---|---|---|
| सामान्य सदस्य वर्गणी | ३५०-०० | **कचेरी खर्च** | |
| उद्दिष्ट देणग्या व अन्य देणग्या | | वेतन, विशेष वेतन | ३६०-०० |
| | ५,२००-०० | जागा भाडे | ३००-०० |
| अनुदान :— | | इतर | ४४०-०० |
| शासकीय १५०-०० | | | ११,००-०० |
| महानगरपालिका ४५०-०० | | **उद्देश कार्यखर्च :** | |
| | ६००-०० | * ग्रंथ संग्रह | २००-०० |
| व्याज | २००-०० | अभ्यास मंडळ स्फुट व्याख्याने व व्याख्यान माला, खगोल निदर्शने, चित्रपट, विक्री कमिशन इत्यादि | ६५०-०० |
| आजीव सदस्य शुल्क | २००-०० | | |
| प्रकाशन विक्री | १५०-०० | | |
| | ६,७००-०० | | |
| अंदाजे तूट | ३,०००-०० | * साधन संभार | ५,०००-०० |
| * संस्थेच्या संशोधन, रौप्यमहोत्सव व अन्य कायम निधीतून, * खूण केलेल्या बाबींसाठी सुरवातीस खर्च करून या योजलेल्या कार्यासाठी अधिक सहाय्य मिळवून ही तूट भरून काढावी. | | * प्रकाशन मुद्रण | २,५००-०० |
| | | * रौप्य महोत्सव | १,२५०-०० |
| | | | ८६००-०० |
| एकूण रु. | ९,७००-०० | एकूण रु. | ९,७००-०० |

सूचक – श्री. त्र्यंबकशास्त्री अभ्यंकर

अनुमोदक श्री. हे. त्र्यं. बा. कुंडले

सर्वानुमते संमत

अध्यक्ष

मो. वा. चिपळूणकर

८-२-१९७१



## Jyotirvidya Parisanstha

Receipts and Payments accounts for the year ending on 30-6-70

| RECEIPTS | Rs. Ps. | PAYMENTS | Rs. Ps. |
|---|---|---|---|
| **1. Subscription** | | **1. Establishment Expenses** | |
| Ordinary members and School | 334.00 | a) Salary 287.83 | |
| **2. Life membership Subscriptions** | 201.00 | b) Rent 305.00 | |
| **3. Donotions :—** | | c) Stationery 15.89 | |
| a) Jubilee Fund 22.00 | | d) Contingencies 298.40 | |
| b) Petty Donations 13.00 | 35.00 | e) Postage 31.50 | 938.62 |
| (included in Bldg & Equipment Fund) | | **2. Misc Expenditure On Object :** (Study Circle, Lectures etc) | 145.60 |
| **4. Grant–in–aid** | | **3. Equipment** | 54.00 |
| Municipal Corporation | 300.00 | | 1,138.22 |
| **5. Interest on Bank A/c** | 230.22 | | |
| **6. Sales of books** | 85.00 | | |
| | 1,185 22 | | |
| Opening Balance As on 1-7-69 : Cash–in–hand 314.59 | | Closing Balance As on 30-6-70 | |
| | | Cash in hand 146.12 | |
| Cash in bank 5,800.87 | 6,115.46 | Cash in Bank 6,016.34 | 6,162.46 |
| | 7,300.68 | | 7,300.68 |

Checked and found Correct
Sd. S. G. Phansalkar
Internal Auditor

| क्रमांक | दिनांक | व्याख्याते | विषय | निमंत्रण संस्था |
|---|---|---|---|---|
| २५ | ११-१२-६९ | श्री. वि. चि. मोडक | चंद्रविजय ( सदीप व्याख्यान ) | ,, ,, ,, ,, |
| २६ | २३-११-६९ | ,, ,, ,, | मानवाचे चंद्रावर पहिले पाऊल ( सदीप व्याख्यान ) | स्नेह सदन, पुणे. |
| २७ | २६-१०-६९ | ,, ,, ,, | चंद्रावर मानव ( संदीप व्याख्यान ) | श्री. शिवाजी कुल, पंतसचीव हेडकार्टर्स, पुणे ३०. |
| २८ | १७-१०-६९ | श्री. मो. ना. गोखले | चंद्रविजयाचे वास्तव शास्त्र | नगरवाचन मंदिर, सातारा. |
| २९ | २८- ५-७० | ,, ,, ,, | विश्वाचे विराट स्वरुप आणि मानवाचा अन्तराळ विजय | स्वातंत्र्य व्याख्यान माला, फलटण. |
| ३० | — — | श्री. मा. भ. पंत | विश्वाचा पसारा आणि वेदांतातील ज्योतिःशास्त्र | वालचंद कॉलेज ऑफ इंजी. सांगली. |
| ३१ | २१- ७-६९ | श्री. स. ग. काजरेकर | एलेमेन्ट्स ऑफ रॉकेट प्रोपल्शन | ,, ,, ,, ,, |
| ३२ | २४- ५-७० | श्री. मो. ना. गोखले | अन्तराळ आणि मानव | वसंत व्याख्यानमाला, वाई |



## सदस्थ संख्या

संस्थेच्या पटावर आज आजीव सदःस्थ २७ आणि आणि सामान्य सदःस्थ सुमारें २०० आहेत.

## नवसदःस्थांचे स्वागत

वृत्तान्त-वर्षी पुढील सद्गृहस्थांना परिसंस्थेचे सदःस्थत्व देण्यांत आले आहे.

( १ ) श्री. स. भा. बागाइतकर, B.E.
( २ ) श्री. अरुण व्ही. पारीख
( ३ ) श्री. जगन्नाथ रामकृष्ण देवधर
( ४ ) श्री. राजेन्द्र प्रभाकर लेले
( ५ ) श्री. विजय भालचंद्र मराठे B. Sc.
( ६ ) श्री. ग. य. दीक्षित

या वर्षी ( १ ) राजरत्न प्रतापरायजी मेहता, बंगलोर आणि ( २ ) प्रि. गो. रा. परांजपे, हे परिसंस्थेचे आजीव सदःस्थ झाले आहेत.

या व ष , **मोटलीबाई वाडिया सेवासदन स्त्रियांचे अध्यापिका विद्यालय-पुण**, ही संस्था, परिसंस्थेची सदःस्थ-संस्था झाली आहे.

## आभार :

परिसंस्थेच्या २६ व्या वर्षाचा अहवाल आपणापुढें ठेविला आहे. त्यावरून संस्थेची प्रगति आपल्या नजरेस येईल. परिसंस्थेच्या कार्यवाहीस सर्व सदःस्थांचें व विज्ञानप्रेमी जनतेचें आम्हांस सर्वतोपरी साह्य झालेलें आहे.

संस्थेचे अंतर्गत अधीक्षक श्री. श्रीपाद गोविंद फळसळकर B. A, व सरकारमान्य ऑडिटर्स मे. जी. डी. आपटे आणि कंपनी, यानीं प्रतिवर्षाप्रमाणेंच याही वर्षी परिसंस्थेचे आर्थिक व्यवहार विनामूल्य व काळजीपूर्वक तपासून दिले. संस्थेवरील त्यांच्या प्रेमाचेंच हें एक प्रतीक आहे. याशिवाय ज्या अनेक व्यक्ति आणि संस्था यांचें आम्हास साह्य झालें त्या सर्वांचे मनःपूर्वक अभार मानून हे निवेदन संपवितो.

आपले

पुणें, १७ जानेवारी १९७१

**मो. ना. गोखले**
**स. चिं. मराठे**

वृत्तान्त संमत करावा : श्री. वि. भा. मराठे.
अनुमोदन . ग. ह. भागवत .

## स्फुट व्याख्यानें

**परिसंस्थेच्या पदाधिकाऱ्यांनीं, आणि कार्यकर्त्यांनीं, अन्य संस्थांच्या निमंत्रणावरून खालीं नमूद केल्याप्रमाणे विविध विज्ञान विषयावर व्याख्यानें दिली.**

| क्रमांक | दिनांक | व्याख्याते | विषय | निमंत्रण संस्था |
|---|---|---|---|---|
| १ | १९– ७–६९ | श्री. मो. ना. गोखले | अवकाश प्रवासाचे वास्तवशास्त्र | विद्यार्थी परिषद् आणि मराठी विज्ञान परिषद्, सांगली. |
| २ | २०– ७–६९ | श्री. स. ग. काजरेकर | अग्निबाणाचे तंत्र | ,, ,, ,, ,, ,, |
| ३ | २१– ७–६९ | श्री. ,, ,, ,, | अपोलो–११ च्या वेळापत्रकाचे वैशिष्ठ्य | ,, ,, ,, ,, ,, |
| ४ | २१– ७–६९ | श्री. मो. ना. गोखले | अपोलो – ११ | स्वाध्याय महाविद्यालय, पुणे. |
| ५ | ९– ८–६९ | श्री. ,, ,, ,, | चंद्रावर मानवाचे पदार्पण | इंद्रायणी कॉलेज, तळेगाव. |
| ६ | १०– ८–६९ | श्री. ,, ,, ,, | ,, ,, ,, | होमगार्ड संघटना, पुणे. |
| ७ | १५– ८–६९ | श्री. ,, ,, ,, | ,, ,, ,, | लोकशाही अभ्यास मंडळ, पुणे. |
| ८ | १७– ८–६९ | श्री. ,, ,, ,, | ,, ,, ,, | म. ए. सो.चे हायस्कूल आणि महिला मंडळ, बारामती. |
| ९ | २४– ८–६९ | श्री. ,, ,, ,, | वजन रहित अवस्था | महात्मा फुले, वस्तुसंग्रहालय, पुणे. |
| १० | १३– ९–६९ | श्री. ,, ,, ,, | चंद्रावर पदार्पण | राजा धनराज गिरजी हायस्कूल, पुणे. |
| ११ | १७– ९–६९ | श्री. स. ग. काजरेकर | अवकाश प्रवास | भांगरवाडी गणेशोत्सव, लोणावळें. |
| १२ | १८– ९–६९ | श्री. मो. ना. गोखले | चंद्रावर मानव | विजयानगर कॉलनी गणेशोत्सव. |
| १३ | २६– ९–६९ | श्री. ,, ,, ,, | अवकाश विज्ञान | सेकंडरी स्कूल टीचर्स असोसिएशन, पुणे. |
| १४ | २६– ९–६९ | श्री. स. ग. काजरेकर | ,, ,, | ,, ,, ,, |
| १५ | १५–११–६९ | श्री. मो. ना. गोखले | चंद्रजन्माच्या कल्पना आणि चंद्राचे स्वरुप | महात्मा फुले वस्तुसंग्रहालय, पुणे. |
| १६ | १६–११–६९ | श्री. य. रा. नेने | चंद्रविजय कशासाठी ? | ,, ,, ,, ,, |
| १७ | १७–११–६९ | श्री. स. ग. काजरेकर | चंद्रस्वारीचे वाहन आणि मार्ग | ,, ,, ,, ,, |
| १८ | १८–११–६९ | प्रा. द. वि. बडवे | चंद्र प्रवाशांची तयारी आणि शिक्षण | ,, ,, ,, ,, |
| १९ | १९–११–६९ | प्रा. के. ल. जोशी | अपोलो प्रकल्पापूर्वीचे प्रयत्न | ,, ,, ,, ,, |
| २० | २०–११–६९ | श्री. स. चिं. मराठे | अपोलो प्रकल्प आणि अपोलो ११ | ,, ,, ,, ,, |
| २१ | २२–११–६९ | श्री. मो. ना. गोखले | अपोलो–१२ आणि पुढील प्रयत्न | ,, ,, ,, ,, |
| २२ | २३–११–६९ | संस्थेचे वरील व्याख्याते आणि प्रा. भालबा केळकर | चांद्रप्रवासासंबंधी शंका–समाधान | ,, ,, ,, ,, |
| २३ | २४–११–६९ | श्री. वि. वि. मोडक | अपोलो–११ च्या 'पारदर्शिकांच्या साह्यानें व्याख्यान | ,, ,, ,, ,, |
| २४ | १०–१२–६९ | श्री. मो. ना. गोखले | चंद्रावर मानव | श्री. नाथीबाई दामोदर ठाकरसी कन्याशाळा पुणे |

अधिक्रमणाचे निकाश, घेण्याचाही प्रयत्न परिसंस्थेच्या कार्यकर्त्यांनी केला. डॉ. वा. द. पटवर्धन याच्या सहकार्याने, श्री. स. ग. काजरेकर यांनी क्वेस्टार दूरादर्शाने अधिक्रमणाचे निकाश घेऊन ते त्वरेने दि. १० मे ७० च्या दै. सकाळ मध्ये प्रकाशित केले.

डॉ. मो. वा. चिपळूणकर यांनीही पुणे विद्यापीठातील दूरादर्शाने घेतलेले निकाश त्यानंतर सृष्टिज्ञान मासिकांत प्रकाशित केले. प्रा. ना. म. आठवले यांनीही अधिक्रमणाचे निरीक्षण करून नंतर त्यासंबंधी एक लेख सृष्टिज्ञान मासिकांत प्रसिद्ध केला.

भूगोल-खगोलाच्या निदर्शनाच्या कार्यक्रमास सर्वश्री, स. ग. काजरेकर, य. रा. नेने, मा. भ. पंत, वि. वि. मोडक, राहुल माथुर, या सर्वांचे सर्वतोपरी साह्य झालेले आहे.

**विशेष लेख**—परिसंस्थेच्या पदाधिकाऱ्यांनीं विज्ञानविषयक पुढील लेख प्रसिद्ध केलें.

| नियतकालिक | लेख | लेखक |
|---|---|---|
| जीवन शिक्षण मासिक जानेवारी ७० | पृथ्वीचें अंतरंग | श्री. वि. वि. मोडक |
| दै. तरुण भारत ८-५-७० | सूर्यावरून बुधाचे अधिक्रमण | |
| | बुध व शुक्र या ग्रहांची सूर्यावरून अधिक्रमणें | |
| दै. केसरी १७-५-७० | | |
| विज्ञानयुग, जून ७० | ९ मे १९७० शनिवार वै. शु. ४ सूर्याला ग्रहण | |
| जीवनशिक्षण मासिक डिसें. ६९ | पृथ्वीच्या गतींच्या गमती | श्री. स. काजरेकर |
| ,, ,, | छायायंत्र | श्री. मा. भ. पंत |
| ,, ,, | कालमापन | श्री. स. चिं. मराठे |
| ,, ,, | मानवाला लाभलेले मूलभूत हक्क | श्री. श्री. शं. पतके |
| ,, ,, | हवा | श्री. मो. ना. गोखले |



| | | |
|---|---|---|
| दै. सकाळ ७-५-६९ | बुधाचे सूर्यबिंबावरून अधिक्रमण | श्री. स. ग. काजरेकर |
| जीवन शिक्षण मासिक जानेवारी | हवामान-ढग | श्री. य. रा. नेने |

**पुस्तकप्रकाशन**—परिसंस्थेचे एक सदस्य श्री. सुधाकर भालेराव, नाशिक, यांनी लिहिलेल्या ‘आपली सूर्यमाला’ या पुस्तकास महाराष्ट्र शासनाकडून रु. ४,२७५ चे अनुदान मिळाले त्यासाठी आम्ही त्यांचे अभिनंदन करतो.

**नैधिक** :—प्रा. स. वि. आपटे, एम्. ए., बी. एस्सी., बी. ई. एस्. ( सेवानिवृत्त )

**कार्यवाह** :—( १ ) श्री. मो. ना. गोखले, बी. एस्सी.
( २ ) श्री. स. चिं. मराठे, बी. ई.

**सद:स्थ** :—( १ ) प्रा. मो. ल. चंद्रात्रेय, एम्. ए., बी. ई. एस्. ( सेवानिवृत्त )
( २ ) श्री. द. गो. फडके, बी. ए., एल्एल्. बी.
( ३ ) श्रीं. वि. धों. गोरेशास्त्री.
( ४ ) प्रा. ना. म. आठवले, एम्. ए.
( ५ ) प्रा. द. श्री. जोग, एम्. एस्सी.
( ६ ) श्री. मा. भ. पंत, बी. एस्सी., बी. टी.
( ७ ) श्री. य. रा. नेने, एम्. एस्सी. असिस्टंट मीटिऑरॉलॉजिस्ट
( ८ ) श्री. स. ग. काजरेकर, बी. एस्सी.
( ९ ) श्री. वि. वि. मोडक, जी. डी. सी; जी. सी. सी.
(१०) श्री. श्री. शं. पतके, एम्. ए., बी. टी.
(११) श्री. अ. त्र्यं. ढवळे, एम्. एस्सी.

**अधीक्षक** :—( अन्तर्गत समान्व्य–निरीक्षक )
श्री. श्रीपाद गोविंद फणसळकर, बी. ए.

**तद्विद्य मंडळ** :—(Academic Council)
( १ ) प्रि. गो. रा. परांजपे
( २ ) प्रा. डॉ. मो. वा. चिपळूणकर
( ३ ) प्रा. मो. ल. चंद्रात्रेय
( ४ ) प्रा. स. वि. आपटे
( ५ ) प्रा. ना. म. आठवले
( ६ ) प्रा. द. श्री. जोग
( ७ ) प्रा. ज. ब. कुमठेकर
( ८ ) श्री. मा. भ. पंत ( निमंत्रक )

# वृत्तान्त—वर्षांतील परिसंस्थेच्या कार्याचें इतिवृत्त

## वर्षांतील सभा

### प्रशासक मंडळाच्या सभा

**दि. २८–९–६९** या दिवशी झालेल्या प्रशासक मंडळाच्या सभेत मागील वर्षातील ताळेबंदाच्या फेरमांडणीस आणि कांही तरतुदीस मान्यता देण्यात आली.

दि. ११–१२–६९ या दिवशीं झालेल्या प्रशासक मंडळाच्या सभेत १९६८ च्या वार्षिक वृत्तान्ताच्या आणि १९६९–७० च्या निकल्पाच्या खर्च्यास मान्यता देण्यात आली.

## भगोल-खगोल निदर्शने

धूमकेतूचे **दर्शन** : मार्च १९७० च्या तिसऱ्या आठवड्यांत **बेनेट धूमकतू दिसून आला.** परिसंस्थेने स्थानिक वृत्तपत्रांत दि. २४–३–७० च्या अंकांतून ह्या घटनेस प्रसिद्धी दिली आणि पुढे एक आठवडाभर पहाटे धूमकेतू दाखविला. या धूमकेतूचे निकाशही परिसंस्थेने घेतले. दूरादर्शाच्या साह्याने धूमकेतूचे शिर जिज्ञासू नागरिकांना दाखविले. ह्या कार्यक्रमाचा लाभ सुमारे ७००–८०० नागरिकांनी घेतला. दि. ३०–३–७० ला सायंकाळी **दूरादर्शातून शनीची वलये** आणि **शुक्राची कोर दाखविली.** या कार्यक्रमास जिज्ञासू जनतेने अनावर गर्दी केली होती. सुमारे ७००–८०० नागरिकांनी कार्यक्रमाचा लाभ घेतला. **दि. ९–मे १९७०** या दिवशी बुध ग्रहाचे सूर्यबिम्बावरून अधिक्रम झाले. नागरिकांना हे अधिक्रमण सकाळी व सायंकाळी प्रत्येकी २–२ तास, दूरादर्शातून दाखविले गेले. या आविष्कारासंबंधी नागरिकांमधील जिज्ञासा जागृत करण्यासाठी, श्री. वि. वि. मोडक व श्री. स. ग. काजरेकर यांच्याकडून खास लिहून घेतलेले लेख परिसंस्थेने स्थानिक वृत्तपत्रांत अधिक्रमाणापूर्वीच प्रसिद्ध केले होते.

# ज्योतिर्विद्या परिसंस्थेची प्रकाशनें

## उपयुक्त व संग्राह्य

(१) **सूर्यकुल**–(संग्राहक : प्रा. गो. ल. चंद्रात्रेय व कै. त्र्यं. गो. ढवळे) सूर्यकुलामधील निरनिराळे ग्रह व उपग्रह, उल्का, लघुग्रह, धूमकेतू इ. संबधाने ज्ञान संवर्धक, अद्ययावत् व उपयुक्त माहिती. सुबोध भाषा, विद्वानांनी एकमुखाने वाखाणलेले व महाराष्ट्र ग्रंथोत्तेजक सभेने (डेक्कन व्हर्नाक्युलर ट्रान्सलेशन सोसायटीने) पारितोषिक देऊन गौरविलेले. पृष्ठसंख्या २८०, किंमत रु. ५. दुसरी आवृत्ती तयार होत आहे.

☆ ☆ ☆ ☆

(२) **तारकानगरी**–तारकांनी व्यापिलेल्या एकंदर विश्वाविषयी उद्बोधक माहिती. तारकादिकांची ओळख, आकाशगंगेचे स्वरूप, दूर अंतरावरच्या ताऱ्यांची माहिती कशी मिळविली जाते, ताऱ्यांच्या गती कशा काढतात, अंतराळातल्या अनेक विश्वांचे स्वरूप इ. उपयुक्त व मनोरंजक माहिती. याही प्रकाशनाला डे. व्ह. ट्रान्सलेशन सोसायटीने पारितोषिक देऊन गौरविले आहे व विद्वानांनी प्रशंसिले आहे. पृष्ठसंख्या १६५, किंमत ४।– रुपये.

☆ ☆ ☆ ☆

(३) **ताराचित्रक संच**–(आवृत्ति दुसरी, दोन रंगांत छपाई) ठळक ठळक ताऱ्यांची ओळख करून देणारे, आकाशाच्या देखाव्यावरून तारीख व वेळ सांगणारे, तसेच तारीखवेळेवरून आकाशाचे कोणते दृश्य दिसूं शकेल त्याचा बोध करणारे दोन मोठे नकाशे. आकार : अनुक्रमे ४० × ३० व २७ × २२॥ इंच. सोबत खुलासा देणारी विवरण पुस्तिकाही मिळते. सर्व संचाची किंमत रु. १.५०.

☆ ☆ ☆ ☆

(४) **वेधसाधने व वेधशाळा**–प्राचीन काळापासून वेध वेण्याची साधने कोणती होती, त्यांची वाढ व परिणती पुढे कशी झाली, त्यांची रचना, वेधशाळांचे सामान्य स्वरूप व तेथील कार्य व संवहज्योतिष्यक (Radio Astronomy) या विषयांची माहिती या ग्रंथात सुबोध रीतीने दिली आहे. किंमत रु. २·७५.

☆ ☆ ☆ ☆

(५) **चंद्रप्रभा**–चंद्राचे वाङ्मयातील उल्लेख, चंद्रामुळे पंचांग कसे बनते, चंद्रावर वसाहत करणे कितपत शक्य आहे, चंद्राची ग्रहणे, भरती, ओहोटी वगैरे संबंधाने खुलासा व चटकदार वर्णन. डे. व्हर्ना ट्रान्सलेशन सोसायटीने पारितोषिक देऊन गौरविलेले पुस्तक. पृष्ठसंख्या १३०, किंमत रु. २.५०.

☆ ☆ ☆

(६) **विश्वाची रचना व उत्क्रांती** :— (ले. कै. त्र्यं. गो. ढवळे) सबंध विश्वाची घडण क्रमशः कशी होत गेली, अभ्रिका, दीर्घिका, काय आहेत व या विश्वाची उत्क्रांती कशी होत आहे, यासंबंधी सोपपत्तिक माहिती. पृष्ठें ४५. किंमत रु. ०·७५

☆ ☆ ☆ ☆

(७) **संज्ञावली**—ज्योतिष्यकशास्त्रातील पारिभाषिक शब्दांचे अर्थ व विवरण पृष्ठे २३. किंमत रु. ०·२५ दुसरी आवृत्ती तयार होत आहे.

☆ ☆ ☆ ☆

(८) **छोट्या पुस्तिका व प्रकाशने; निबंध** —(१) **कालमापन व त्याची साधने** (ले. कै. त्र्यं. गो. ढवळे) काल म्हणजे काय ? त्याचे मापन इ. खुलासा (२) **पाश्चात्त्य ज्योतिष्यकाचा वैचारिक इतिहास**—(ले. कै. त्र्यं. गो. ढवळे) ख्रिस्तपूर्व दीड हजार वर्षांपासूनच्या पाश्चात्त्य शास्त्रज्ञांच्या कल्पना व बदल यांची माहिती. (३) **सूर्याचे अंतरंग** —(लेखक : प्रा. दा. गो. ढवळे) सूर्याच्या अंतरंगासंबंधाने माहिती. (४) **सूर्यदेवता**—(लेखक : प्रा. मो. ल. चंदात्रेय) सूर्यासंबंधाने वाङ्मयातले काही उल्लेख. (५) **आर्यांच्या मूळ वसतिस्थानासंबंधी झालेल्या व्याख्यानमालेतील मुद्द्यांचे टाचण.** वरील सर्व छोट्या पुस्तकांची किंमत प्रत्येकी रु. ०·१२

☆ ☆ ☆ ☆

**टीप**:— १. प्रकाशने व्ही. पी. ने पाठविली जात नाहीत. २. टपालहशिलासह पुस्तकांची किंमत मनिऑर्डरने पाठवावी. ३. सर्व प्रकाशने शाळा–कॉलेजांना व ग्रंथसंग्रहालयांकरिता उपयुक्त आहेत.

☆ ☆ ☆ ☆

**मागणी**— (१) **मो. ना. गोखले**, कार्यवाह, ज्योतिर्विद्या परिसंस्था, चंद्रकिरण, ११९५ सदाशिव, पुणे ३० या पत्त्यावर;

अथवा

(२) इन्टरनॅशनल बुकसर्व्हिस, पुणे ४ या पत्त्यावर करावी.

---

प्रकाशक : मो. ना. गोखले, कार्यवाह ज्योतिर्विद्या परिसंस्था, चंद्रकिरण ११९५ सदाशिव, ३० पुणे.

मुद्रक : य. गो. जोशी, आनंद मुद्रणालय, १५२३ सदाशिव, पुणे ३०.